

एकलपीठ सिविल रिट याचिका संख्या 2143/2000
श्रीमती रुपम शर्मा बनाम यूनिवर्सिटी आफ राजस्थान

10.4.2007

माननीय न्यायाधिपति श्री मोहम्मद रफीक

श्री प्रकाश ठाकुरिया, अधिवक्ता याची की ओर से।
श्री मोहित तिवारी, अधिवक्ता विपक्षी की ओर से।

यह रिट याचिका याची को विपक्षी राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा दिये गये सूचना-पत्र दिनांक 27.4.2000 के विरुद्ध दिनांक 9.5.2000 को दायर की गयी थी। उक्त सूचना-पत्र के द्वारा याची को एम.ए.पूर्वार्ध समाजशास्त्र की परीक्षा देने हेतु पात्र नहीं माना गया था। इस न्यायालय ने अन्तरिम आदेश दिनांक 10.5.2000 के द्वारा याची के उक्त परीक्षा में प्रवेश हेतु अन्तरिम रूप से अनुमति दी थी। उसके पश्चात यह प्रकरण लगभग सात वर्ष के समय तक न्यायालय में लंबित रही है। न तो याची ने ही उसके बाद एम.ए. अंतिम वर्ष में प्रवेश हेतु कोई आवेदनपत्र नये सिरे से प्रस्तुत किया है और न ही विश्वविद्यालय की ओर से ऐसी कोई सूचना अभिलेख पर लगायी गयी है कि याची को अंतिम वर्ष हेतु परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जावे। यदि याची को उक्त आदेश के अनुरूप प्रथम वर्ष के पश्चात अंतिम वर्ष की परीक्षा में बैठने हेतु राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा अपनी ओर से अनुमति दे दी गयी है तो उसे अंतिम माना जायेगा तथा सूचना-पत्र दिनांक 27.4.2000 जिसे कि इस याचिका में चुनौती दी गयी है, के आधार पर उसे योग्य नहीं माना जायेगा परन्तु यदि याची ने अपनी ओर से ही अंतिम वर्ष की परीक्षा में बैठने हेतु कोई प्रयास नहीं किया है तो इस स्तर पर वह कोई अनुतोष पाने का अधिकारी नहीं है।

अतः यह याचिका इसी प्रकार निस्तारित की जाती है।

(मोहम्मद रफीक)
न्यायाधिपति